मशीन की कढ़ाई

प्रशिक्षण की अवधि - 6 महीने (प्रायः 825 घंटे)

सैद्धान्तिक

१. मशीन कढ़ाई कला का परिचय, इसकी उपयोगिता तथा इससे लाभ। इस कला की उत्पत्ति, इसका इतिहास तथा प्रचलन। व्यवसायिक दृष्टिकोण से लाभ।

२. मशीन कढ़ाई करने के लिए मशीन की जानकारी, सफाई तथा हिफाजत। मशीन कढ़ाई करने के लिए मशीन के पुर्जों में परिवर्तन, सभी पुर्जों की जानकारी तथा उनकी उपयोगिता, टेनशन का महत्व, आवश्यक पुर्जे - जैसे प्लेट, फ्रेम, रेगुलेटिंग स्क्रु, टेनसन स्प्रिंग, प्रेशर फुट, बॉबीन केस, इत्यादि को रखने की स्थिति का ज्ञान। मशीन ठीक नहीं रहने पर मशीन कढ़ाई में खराबी, उसे ठीक करने का उपाय।

३. मशीन कढ़ाई के काम में आने वाले धागे - सिल्कन तथा सूती - के बारे में जानकारी, उनका वर्गीकरण, उनकी विलक्षणता। बॉबीन में भरने वाला धागा, कोड, कलावस्तु (सुनहला एवं अवहला धागा) तथा कढ़ाई के संदर्भ में उनकी जानकारी, उनकी विशेषता।

४. कढ़ाई के आधार, कपड़ों की जानकारी, उनके व्यवसायिक नाम, उनकी रचना और उसका प्रभाव, उनका चुनाव। विभिन्न चीजों के लिए कपड़े, उसके प्रकार (क्वॉलिटी) तथा रंगों का चुनाव। कपड़े तथा कढ़ाई की इकाइयों का सामंजस्य।

५. मशीन कढ़ाई कला के काम में आने वाले उरकरणों का परिचय, उनका वर्णन, उनका कार्य तथा प्रयोग, उनकी हिफाजत।

६. नमूने को डिजाईन करने की कला, ड्राइंग के ज्ञान की आवश्यकता तथा इससे लाभ, नमूना ट्रेस करना, ट्रेस करने की विधियां एवं उसकी सहायक सामग्री। कढ़ाई के अनुरूप उनके चुनाव का ज्ञान। साधारण एवं कटिंग नमूने, बड़े एवं छोटे नमूने। पोशाक के अनुरूप नमूने को बड़ा एवं छोटा करना। विभिन्न प्रकार के पत्ते, फूल, प्राकृतिक दृश्य, कोने के नमूने तथा बीच के नमूने के बारे में जानकारी।

७. विभिन्न पोशाकों पर कढ़ाई करने का नियम। कढ़ाई कला में रंगों का उपयुक्त चुनाव एवं मिलान का ज्ञान। कपड़े के रंग के अनुरूप धागे के रंगों का मिलान एवं इस ज्ञान की उपयोगिता। नमूने, धागे के रंग तथा कपड़ा - तीनों के उचित चुनाव का संमिश्रण।

८. मशीन कढ़ाई करते समय ध्यान देने योग्य आवश्यक बातें। सूई तथा धागा टूटने का कारण तथा उन्हें ठीक करने का उपाय। सूई तथा धागा टूटने का कारण तथा उसे ठीक करने का उपाय। मशीन कढ़ाई के काम में आने वाली सूईयों के प्रकार और उनका उपयोग। मशीन कपड़े पर कढ़ाई करने का नियम एवं उनमें सूईयों का प्रयोग।

९. मशीन कढ़ाई तथा हाथ कढ़ाई में अन्तर। दोनों की तुलनात्मक विवेचना।

१०. वस्त्रों पर लगे विभिन्न दाग छुड़ाने के नियम। कढ़ी हुई चीजों को धोने तथा लोहा करने की विधि।

११. मशीन कढ़ाई के सभी स्टिचों, सलमा सितारा, सीप, मोती तथा कलावस्तु की कढ़ाई का वर्णन (टिप्पणी) तथा उनका उचित प्रयोग।

१२. मूल्य निर्धारण करना। तैयार सामान के बाजार भाव के अनुसार बिक्री मूल्य निर्धारण करना।

मशीन की कढ़ाई

क्रियात्मक

१. ड्रॉईंग करना तथा कपड़े पर ट्रेस करना, विभिन्न टाकों से बॉर्डर बनाना।

२. मशीन कढ़ाई के निम्नलिखित टांके का प्रयोगात्मक कार्य -

रनिंग स्टिच, लौंग एण्ड शौर्ट स्टिच, शेडेड इम्ब्रॉयडरी, आइलेट होल, ओपेन वर्क, कई प्रकार के हेम स्टिच, कई प्रकार की कोडिंग, सैटिन स्टिच तथा रेजड सैटिन स्टिच, ड्रॉनथ्रेड वर्क, कट वर्क, लेटर्स तथा मोनोग्राम, बटन होल स्टिच, फैन्सी स्टिच, फैन्सी कट-वर्क, इंगलिश लेस (कई प्रकार के), बटन वर्क इम्ब्रॉयडरी, पैच वर्क, एपलिक वर्क, वेलवेट एपलिक वर्क, नेट पर एपलिक, नेट अरगन्डी वर्क, स्पौटेड (काली वाली) स्टिच, शैडो वर्क, बीड (मोती) वर्क, लच्छी स्टिच, ऊन स्टिच, रिबन स्टिच, डी.एम.सी. (पीकग्रेड) इम्ब्रॉयडरी, नेट पर कढ़ाई, क्रॉस तथा डबल क्रॉस स्टिच, कलावस्तु (अपहला तथा सुनहला धागा) से कढ़ाई, शीशा तथा सलमा लगाना, पशु-पक्षी एवं प्राकृतिक दृश्य का फोटो बनाना।

३. विभिन्न प्रकार के फूल, पत्ती, संख्या, वर्णमाला तथा मोनोग्राम बनाना।

४. सुन्दर डिजाईन के गोल, तिकोने तथा चौकोर नमूने को उपर्युक्त स्टिचों से बनाना तथा ऊनमें धागे के रंग का उचित संमिश्रण करना।

उत्पादन कार्य - (सुन्दर एवं उपयुक्त स्टिचों द्वारा बनाये जायेंगे)

१. तकिया खोल, चादर, बेड कवर, परदा, टेबुल क्लॉथ, ट्रे क्लॉथ, टेबुल मैट, टिकोजी, नैपकिन्स, ट्रे कवर, रेडियो कवर, जग तथा जार कवर, ड्रेसिंग टेबुल सेट्स, स्टूल कवर पर कढ़ाई।

२. सोफा सेट, चेयर कवर, चेयर बैक, कुशन कवर, अंगीठी पोश, डाइनिंग टेबुल-क्लॉथ पर कढ़ाई।

३. रूमाल, बिब, बच्चों का एप्रन, बेबी फ्रॉक, बाबा सूट, गर्ल्स फ्रॉक, स्लैक्स पर उपयुक्त स्टिचों से कढ़ाई।

४. पेटीकोट, साड़ी, ब्लाउज पीस, दुप्ट्टा, जनानी कमीज पर सुन्दर स्टिच द्वारा कढ़ाई। साड़ी का बॉर्डर बनाना।

५. बटुआ तथा लेडीज पर्स, मफलर तथा शॉल पर कढ़ाई।

खिलौना एवं गुड़िया बनाना

प्रशिक्षण की अवधि - 6 महीने (प्रायः 825 घंटे)

सैद्धान्तिक

१. खिलौना एवं गुड़िया कला की परिभाषा तथा इस कला से लाभ।

२. खिलौना एवं गुड़िया कला की प्राथमिक शिक्षा तथा बनाते समय आवश्यक बातों पर ध्यान।

३. फर्मा बनाने की विधि तथा इससे लाभ।

४. खिलौना बनाने के आवश्यक उपकरणों का वर्णन एवं उनका प्रयोग।

५. खिलौना बनाने के आवश्यक सामग्रियों (कच्चा माल) का वर्णन तथा प्रयोग एवं उनके नाप व तौल।

६. रेक्सीन के खिलौने, इससे लाभ तथा इसकी विशेषता।

७. रेक्सीन से खिलौना बनाने की विधि तथा उसमें प्रयोग की जाने वाली स्टिच (टांके)।

८. विभिन्न जन्तुओं, पशु-पक्षियों, डॉल तथा गुड़ियों-गुड्डों के शारीरिक बनावट का वर्णन।

९. खिलौना बनाने में ड्रॉईंग की आवश्यकता तथा इससे लाभ, विभिन्न आकृतियों की ड्रॉईंग।

१०. खिलौनों में भरी वाली चीजों का वर्णन, उनमें अन्तर तथा उनकी विशेषता।

११. कपड़े और रेक्सीन के खिलौने तथा कांच, प्लास्टिक, मिट्टी एवं कागज के खिलौनों में अन्तर तथा तुलनात्मक विवेचना। इनमें से बच्चों के लिए उपयोगी खिलौने एवं उसका कारण।

१२. खिलौना बनाने में विभिन्न स्टिचों का प्रयोग, उनका कारण एवं उनकी उपयोगिता।

१३. विभिन्न जन्तुओं, पशु-पक्षियों, डॉल तथा गुड़िया बनाने की विधि।

१४. कागज तथा कपड़े के फूल बनाने की विधि।

१५. खिलौनों को सजाने की विधि।

१६. खिलौने का मूल्य निर्धारण करना।

खिलौना एवं गुड़िया बनाना

क्रियात्मक

१. विभिन्न खिलौनों एवं गुड़ियों की ड्रॉईंग एवं उनको ट्रेस करना।

२. विभिन्न खिलौनों एवं गुड़ियों का मेजर कटिंग करना तथा कार्ड-बोर्ड पर फर्मा काटना।

३. कपड़े तथा रेक्सीन पर खिलौना एवं गुड़िया काटने तथा प्रत्येक भागों को जोड़ने का क्रियात्मक कार्य।

४. खिलौनों में रूई या बुरादा भरने का ज्ञान।

५. खिलौना एवं गुड़ियों में स्टिचों का प्रयोग -स्टेप स्टिच, बैक स्टिच, चेन स्टिच, रनिंग स्टिच, मैजिक चेन, लूप स्टिच, बटन सेल स्टिच, ब्लैंकेट स्टिच, फ्रेंच-नोट स्टिच, फेदर स्टिच, हेरिंग-बीन स्टिच। डार्निंग एपलिक वर्क, लौंग एन्ड शॉर्ट स्टिच, ईत्यादि।

६. सीप, मोती, गोटा, किरन, सलमा-सितारा, शीशा, ईत्यादि से खिलौनों को सजाना। कागज तथा कपड़े के फूल बनाना।

उत्पादन कार्य

१. मुर्गा
२. खरगोश (खड़ा एवं बैठा)
३. कुत्ता (खड़ा एवं बैठा)
४. जोकर
५. जिराफ
६. तोता
७. हाथी
८. घोड़ा
९. बन्दर
१०. भालू
११. बिल्ली
१२. ऊंट (बड़ा एवं छोटा)
१३. टेडी बियर
१४. बत्तक (बड़ा एवं छोटा)
१५. मछली
१६. घड़ियाल
१७. चिड़िया
१८. हिरण
१९. गाय या बैल
२०. बगुला
२१. डॉल (बड़ा एवं छोटा)
२२. गुड़िया (विभिन्न प्रदेशों के पोशाक वाली)
२३. तार वाली गुड़िया (विभिन्न फेज में)